(च) यदि हां, तो इस संबंध में सरकार का आकलन क्या है?

जल-संसाधन मंत्री (श्री जनेश्वर मिश्र): (क) जी नहीं।

(ख) कृषि मंत्रालय द्वारा वर्ष 1992-93 (नवीनतम) के लिए प्रकाशित भू उपयोग आंकड़ों के अनुसार सभी प्रकार के साधनों से की जा रही सिंचाई के अंतर्गत आने वाली भूमि का ब्यौरा इस प्रकार है:—

(मिलियन हेक्टेयर में)

	वर्ष 1992-93 (अनन्तिम)
1. देश का कुल भौगोलिक क्षेत्र	328.73
2. कुल कृषि योग्य क्षेत्र	184.38
3. निवल बुआई क्षेत्र	142.51
4. सकल सिंचित क्षेत्र	66.14
5. निवल सिंचित क्षेत्र	50.10

(ग) एवं (घ) प्रश्नाधीन अध्ययन श्री देवेन्द्र शर्मा नाम के एक व्यक्ति द्वारा के०के० बिड़ला फाउंडेशन फैलोशिप के एक भाग के रूप में किया गया था और उनके अपने प्रेक्षण/निष्कर्ष, एक पुस्तक जिसका शीर्षक "इन दि फैमिन ट्रेप" है, में प्रकाशित हुए हैं। सरकारी भू उपयोग आंकड़ों (1992-93) के अनुसार, निवल सिंचित क्षेत्र, जैसा कि ऊपर दिया गया है, 50.10 मिलियन हेक्टेयर है, जबकि देश में निवल बुआई क्षेत्र 142.51 मिलियन हेक्टेयर और कुल कृषि योग्य क्षेत्र 184.38 मिलियन हेक्टेयर है।

(ङ) एवं (च) वर्ष 1991 में सिंचित क्षेत्रों में समस्या का पता लगाने के संबंध में आयोजित किए गए अध्ययन के अनुसार, जल जमाव, मृदा लवणता और क्षारीयता से प्रभावित अनुमानित क्षेत्र इस प्रकार है:—

जल जमाव से प्रभावित	1.61 मिलियन हेक्टेयर
लवणता/क्षारीयता से प्रभावित	3.30 मिलियन हेक्टेयर

Foreign Fund inflow from Basic Telecom Companies

*197. SHRI NILOTPAL BASU: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to refer to the answer to Unstarred Question 11 given in the Rajya Sabha on the 20th November, 1996 and state the projected foreign fund inflow with breakup for paid-up equity capital and FFI finance, Circle-wise, according to the rollout plan, from private companies for operating basic telecom services?

THE MINISTER OF COMMUNICATIONS (SHRI BENI PRASAD VERMA): No such information was called for in the tender terms and conditions. However, as per the 5 year financial plan submitted by the 7 LOI holding companies, the total projected investment by them for first 5 years is anticipated to be Rs. 20,789.74 crores for the 10 service. Areas for which LOIs have been issued to them. The said anticipated amount for total paid up capital is Rs. 19,686 crores including total foreign equity component of Rs. 7,960.50 crores as per the actual applications made to approval granted by FIPB for these companies.

Four-laning of National Highways

*198. SHRIMATI JAYANTI PATNAIK:
SHRI RAMJILAL:

Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) the number of four laning projects taken on different National Highways in different States and the estimated cost thereof;

(b) the fund allocation made by Government for those projects;

(c) whether external aid has also been sanctioned for some of those projects, and if so, the details thereof;

(d) the progress of those projects, Highways-wise;

(e) whether any such projects has been taken up in Orissa;

(f) if so, the target date fixed for the completion of those projects and the progress as on date; and

(g) the expected date of the completion of those projects?

THE MINISTER OF SURFACE